
Shri Subrahmanya Shatkam

श्रीसुब्रह्मण्यषट्कम्

Document Information

Text title : SubrahmaNya Shatkam 1
File name : subrahmaNyaShaTkam.itx
Category : subrahmanya, ShaTkam
Location : doc_subrahmanya
Proofread by : Sreenivasa Rao Bhagavatula, NA
Description/comments : From stotrArNavaH 07-01
Latest update : February 7, 2021
Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 2, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Subrahmanya Shatkam

श्रीसुब्रह्मण्यषट्कम्



शरणागतमातुरमाधिजितं
करुणाकर कामद कामदतम् ।
शरकाननसम्भव चारुरुये
परिपालय तारकमारक माम् ॥ १ ॥

उरसारसमुद्भव उमवती-
करपल्लवलावित कभ्रतनो ।
मुरवैरिविरिञ्चि मुदम्भुनिधे
परिपालय तारकमारक माम् ॥ २ ॥

शरदिन्दुसमानषडाननया
सरसीरुड्यारुविलोचनया ।
निरुपाधिकया निजबालतया
परिपालय तारकमारक माम् ॥ ३ ॥

गिरिजासुत सायकभिन्नगिरे
सुरसिन्धुतनूज सुवर्णरुये ।
शिषितोकशिष्यावलवाडन डे
परिपालय तारकमारक माम् ॥ ४ ॥

जय विप्रजनप्रिय वीर नमो
जय भक्तजनप्रिय भद्र नमो ।
जय शाप विशाप कुमार नमः
परिपालय तारकमारक माम् ॥ ५ ॥

परितो भव मे पुरतो भव मे
पथि मे भगवन् भव रक्ष गतिम् ।
वितराशु जयं विजयं परितः
परिपालय तारकमारक माम् ॥ ६ ॥

धति कुक्कुटकेतुमनुस्मरतां
पठतामपि षड्भुषट्कमिदम् ।
भजतामपि नन्दनमिन्दुभृतो
न भयं क्वचिदस्ति शरीरभृताम् ॥ ७ ॥

गाङ्गेयं वह्निगर्भं शरवणजितं ज्ञानशक्तिं कुमारं
ब्रह्मण्यं स्कन्ददेवं गुडमयलभिदं रुदतेजःस्वरूपम् ।
सेनान्यं तारकघ्नं गजभुषसहितं कार्तिकेयं षडास्यं
सुब्रह्मण्यं मयूरध्वजस्थसहितं देवदेवं नमामि ॥ ८ ॥
॥ धति श्रीसुब्रह्मण्यषट्कं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sreenivasa Rao Bhagavatula

—
Shri Subrahmanya Shatkam

pdf was typeset on January 2, 2023

—

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

